



Haryana Government Gazette

EXTRAORDINARY

Published by Authority

© Govt. of Haryana

172-2015/Ext.] CHANDIGARH, THURSDAY, SEPTEMBER 24, 2015 (ASVINA 2, 1937 SAKA)

हरियाणा सरकार

आबकारी तथा कराधान विभाग

अधिसूचना

दिनांक 24 सितम्बर, 2015

संख्या 23/ह0अ0 6/2003/धा0 60/2015.— चूंकि राज्य सरकार की संतुष्टि हो गई है कि ऐसी परिस्थितियां विद्यमान हैं जिनके कारण लोकहित में तुरन्त कार्रवाई करना आवश्यक हैं;

इसलिए, अब, हरियाणा मूल्य वर्धित कर अधिनियम, 2003 (2003 का 6), की धारा 60 की उप-धारा(1) के परन्तुक के साथ पठित उक्त उप धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा, पूर्व नोटिस की शर्त को अभिमुक्त करते हुए हरियाणा मूल्य वर्धित कर नियम, 2003, को आगे संशोधित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

- (1) ये नियम हरियाणा मूल्य वर्धित कर (तृतीय संशोधन) नियम, 2015 कहे जा सकते हैं।
(2) ये नियम प्रथम अप्रैल, 2014 से लागू समझे जाएंगे।
- हरियाणा मूल्य वर्धित कर नियम, 2003 (जिसे, इसमें, इसके बाद उक्त नियम कहा गया है) में, नियम 49क के स्थान पर, निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

"49क विकासक के सम्बन्ध में एकमुश्त प्रशमन स्कीम (धारा 9).—(1) अधिनियम के अधीन कर भुगतान के लिए दायी, तथा विधिवत पंजीकृत विकासक, करार में विनिर्दिष्ट सम्पूर्ण कुल राशि के एक प्रतिशत की प्रशमित एकमुश्त दर पर संगणित एकमुश्त कर के प्रशमन के रूप में या उक्त करार के सम्बन्ध में स्टाम्प ड्यूटी के प्रयोजन के लिए विनिर्दिष्ट मूल्य, जो भी उच्चतर हो, अधिनियम के अधीन उस द्वारा भुगतानयोग्य कर के बदले में, विकल्प के रूप में भुगतान कर सकता है। इस स्कीम का विकल्प देने वाले विकासक को इसमें, इसके बाद प्रशमन विकासक के रूप में निर्दिष्ट किया जाएगा।

(2) इस स्कीम के अधीन प्रशमन का विकल्प देने वाला प्रशमन विकासक,—

- (i) राज्य के पंजीकृत व्यवहारी से संकर्म संविदा के निष्पादन में प्रयोग के लिए माल क्रय करेगा किन्तु उस पर जमा निवेश कर का दावा करने का हकदार नहीं होगा। यदि क्रय किये गये किसी माल के सम्बन्ध में निवेश कर का विकासक द्वारा उपयोग कर लिया गया है तथा ऐसा माल प्रशमन स्कीम के विकल्प के समय स्टॉक में है, ऐसे माल के सम्बन्ध में निवेश कर प्रतिवर्तित किया जाएगा यदि संकर्म संविदा के निष्पादन में प्रयुक्त कोई माल राज्य के भीतर से या राज्य के बाहर से पंजीकृत व्यवहारियों के भिन्न व्यवहारियों से प्राप्त किया गया है या क्रय किया गया है जिस पर कोई कर राज्य को भुगतान नहीं किया गया है, तो प्रशमन विकासक कर जो भुगतानयोग्य होगा, की राशि के समान राशि भुगतान करने के लिए दायी होगा, मानो कि माल पंजीकृत व्यवहारी से राज्य के भीतर क्रय किया गया था;
- (ii) अवधि जिसके लिए प्रशमन इस स्कीम के अधीन लागू रहता है, के दौरान किसी समय पर संविदा के निष्पादन में प्रयुक्त किए जाने के लिए विहित घोषणा प्ररूप के विरुद्ध भारत के बाहर से आयात सहित राज्य से बाहर किसी स्थान से माल क्रय करने या प्राप्त करने का हकदार होगा, किन्तु वह उसके खरीद मूल्य पर तथा राज्य से बाहर किसी स्थान से क्रय किये गए माल तथा/या प्राप्त तथा प्रशमन स्कीम के विकल्प समय पर भण्डार में रखे माल पर 4 प्रतिशत की दर से कर भुगतान करेगा, तथा ऐसा कर उसके प्रशमन कर दायित्व के लिए समायोजन योग्य नहीं होगा;
- (iii) राज्य के भीतर कर की रियायती दर पर माल क्रय करने के लिए घोषणा प्ररूप वैट-घ-1 प्रयोग करने के लिए हकदार नहीं होगा;
- (iv) उसे नॉन-वैट व्यवहारी के रूप में माना जाएगा तथा अधिनियम की धारा 8 के अधीन जमा निवेश कर का दावा करने के लिए पात्र नहीं होगा;
- (v) अधिनियम के अधीन कर के रूप में कोई राशि संगृहीत नहीं करेगा;
- (vi) कर बीजक जारी नहीं करेगा;
- (vii) सभी कर बीजक तथा उसकी सभी क्रय के लिए सभी खुदरा बीजक के मूल रखेगा;
- (viii) किसी वापसी के लिए हकदार नहीं होगा।

(3) प्रशमन विकासक के लिए कर अवधि मासिक होगी तथा कर के बदले में एकमुश्त राशि का भुगतान मास की समाप्ति के पन्द्रह दिन के भीतर प्रशमन विकासक द्वारा भुगतान किया जायेगा:

परन्तु यदि इस स्कीम के अधीन प्रशमन विकासक समय पर क्रयों पर कर सहित कर का भुगतान करने में असफल रहता है, तो वह अधिनियम की धारा 14 की उप-धारा (6) के उपबन्धों के अनुसार ब्याज का भुगतान करने के लिए दायी होगा।

(4) जहां प्रशमन विकासक अपनी संविदा का कोई हिस्सा किसी संविदाकार या उप-संविदाकार को प्रदान करता है, तो अधिनियम के अधीन ऐसा प्रशमन विकासक संविदाकार या उप-संविदाकार द्वारा भुगतान किए गए किसी कर के मद्दे किसी कटौती के लिए पात्र नहीं होगा।

(5) विकासक अधिसूचना के जारी होने के साठ दिन के भीतर समुचित निर्धारण प्राधिकारी को प्ररूप वैट-ग घ-1 में आवेदन प्रस्तुत करते हुए इस स्कीम के उपबन्धों के अनुसार प्रथम अप्रैल, 2014 से एकमुश्त में कर का भुगतान करने के लिए विकल्प कर सकता है। तथापि, अधिसूचना के जारी होने के बाद पंजीकरण प्रमाण-पत्र प्राप्त करने वाला विकासक अधिनियम के अधीन पंजीकरण प्रमाण-पत्र के जारी होने के तीस दिन के भीतर स्कीम विकल्प दे सकता है। पंजीकृत व्यवहारी सम्बद्ध वित्तीय वर्ष के प्रारम्भ से तीस दिन के भीतर समुचित निर्धारण प्राधिकारी को आवेदन प्रस्तुत करते हुए वित्त वर्ष के प्रारम्भ होने से ऐसे विकल्प का भी प्रयोग कर सकता है।

(6) कोई प्रशमन विकासक जो 12 अगस्त, 2014 को अधिसूचित एकमुश्त स्कीम के अधीन कर के एकमुश्त भुगतान के लिए विकल्प देता है, वो इस स्कीम के अधीन कर के एकमुश्त भुगतान के लिए विकल्प दिया हुआ समझा जाएगा। यदि 12 अगस्त, 2014 को अधिसूचित स्कीम के अधीन जमा कर इस स्कीम के अधीन संगणित कर दायित्व से अधिक है, तो अधिक कर को आगामी कर दायित्व के विरुद्ध समायोजित किया जाएगा किन्तु ऐसे अधिक कर के कारण कोई भी समायोजन अनुज्ञात नहीं किया जाएगा, यदि प्रशमन विकासक स्कीम के बाहर विकल्प देता है।

(7) प्रशमन विकासक समुचित निर्धारण प्राधिकारी को प्ररूप वैट द-13 में त्रैमासिक विवरणी प्रस्तुत करेगा तथा विवरणी सहित कर के भुगतान का सबूत भी प्रस्तुत करेगा।

(8) आबकारी तथा कराधान आयुक्त इस स्कीम को उपयोग, अनुपालन तथा अनुश्रवण करने के प्रयोजन के लिए मार्गदर्शन जारी करने, प्रक्रिया तथा प्ररूप इत्यादि विनिर्दिष्ट करने के लिए सक्षम होगा।

(9) सन्देह दूर करने के लिए, इसके द्वारा यह स्पष्ट किया जाता है कि इसमें उपरोक्त दी गई किसी बात का यह अर्थ नहीं लगाया जाएगा कि उपरोक्त स्कीम के अधीन दिया गया लाभ, छूट या उन्मुक्ति से अन्यथा प्रशमन विकासक को कोई लाभ, छूट या उन्मुक्ति प्रदान करना है।”।

3. उक्त नियमों में, विद्यमान प्ररूप वैट ग-5 के बाद, निम्नलिखित प्ररूप, रखा जाएगा, अर्थात्:—

प्ररूप वैट –गघ1

[देखिए नियम 49क(5)]

हरियाणा मूल्य वर्धित कर नियम, 2003 के नियम 49क के अधीन विकासकों के सम्बन्ध में लिए एकमुश्त प्रशमन स्कीम के विकल्प के लिए प्रार्थना-पत्र

सेवा में

निर्धारण प्राधिकारी
वार्ड/सर्कल संख्या

दिनांक _____

क्रम संख्या	प्रार्थना पत्र की मूल/प्रतिलिपि				
1	<div>व्यवहारी का नाम</div> <div>पी0ए0एन0</div> <div>मोबाईल/दूरभाष नम्बर</div> <div>ई0मेल आई.डी</div> <div>एस0सी0ओ0/बुथ/दुकान /भवन/प्लैट/मंजिल संख्या</div> <div>भवन का नाम/मौहल्ला/ कालोनी/ मार्केट स्थान/गली/लेन</div> <div>सैक्टर/इलाका</div> <div>शहर/नगर/गांव</div> <div>डाकखाना</div> <div>जिला</div> <div>पिन कोड</div> <div>राज्य</div>				
2	<div>टिन</div> <div>टिन के दायित्व की तिथि</div> <div>टिन की वैधता की तिथि</div>				
3					
क	हरियाणा राज्य के भीतर से क्रय किए गए माल का विवरण जिस पर जमा निवेश कर का दावा किया है तथा आरम्भिक स्टॉक में रखा है, (देखिए नियम 49क(2) (i))				
क्रम संख्या	विभिन्न दरों पर वैट के लिए दायी माल अर्थात दर पर (प्रतिशत)	माल का क्रय मूल्य जिस पर वैट का भुगतान कर दिया गया है	निवेश कर का दावा किया (रुपये में)	अतिरिक्त कर का दावा, यदि कोई हो।	कुल निवेश कर का दावा
1	2	3	4	5	6
1	5 प्रतिशत की दर पर (घोषित माल)				
2	5 प्रतिशत की दर पर (घोषित माल से भिन्न)				
3	12.5 प्रतिशत की दर पर (गैर अनुसूचित माल)				

4	दर				
5	जोड़				

ख हरियाणा राज्य के बाहर से क्रय/प्राप्त किया गया माल तथा प्रारम्भिक स्टॉक में रखा गया। (देखिए नियम 49क(2)(ii))

क्रम संख्या	विभिन्न दरों पर वैट के लिए दायी माल अर्थात् दर पर (प्रतिशत)	खरीद/प्राप्त आवर्त	4 प्रतिशत की दर पर भुगतान योग्य वैट (रुपये में)	भुगतान योग्य अतिरिक्त कर	कुल
1	2	3	4	5	6
1	5 प्रतिशत की दर पर (घोषित माल)				
2	5 प्रतिशत की दर पर (घोषित माल से भिन्न)				
3	12.5 प्रतिशत की दर पर (गैर अनुसूचित माल)				
4	दर				
5	जोड़				

4	क्रम संख्या 3(ख) के खाना 6 के अनुसार जमा किए कर के ब्यौरे						
क्रम संख्या	खजाने का नाम जहां कर जमा किया गया अथवा बैंक जिस पर डीडी/अदायगी आदेश लिया गया अथवा कार्यालय जहां से आरएओ ने टी.डी.एस. जारी किया	खजाना रसीद (टीआर)/डीडी/पीपी/आरएओ				कार्यालय प्रयोग के लिए	
		लिखत की किस्म	संख्या	तिथि	राशि	डी.सी. आर. संख्या	दिनांक
(i)							
(ii)							
(iii)							

सत्यापन:

मैं, _____ (पूरा नाम दें) पुत्र/पुत्री
 _____ (पिता का पूरा नाम),
 पता _____ (घर का पूरा पता),
 मैसर्ज _____ (मालिक/हिस्सेदार/प्रबन्धक निदेशक/विधिवत
 अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता) सक्षमता में सत्यानिष्टा प्रतिज्ञान करता हूँ कि उसका
 कारबार _____ (व्यवहारी का पूर्ण पता) के पते पर है। मैं हरियाणा
 मूल्य वर्धित कर नियम, 2003 के नियम 49क के अधीन विकासकों के सम्बन्ध में एकमुश्त प्रशमन स्कीम के लिए विकल्प चुनने का
 प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत करता हूँ।

हस्ताक्षर

स्थान :

दिनांक :

(व्यवहारी का नाम/प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता)
 व्यवहारी की मोहर भी लगाएं

पावती

अधोहस्ताक्षरी, मैसर्ज _____ टिन _____ से नीचे
 वर्णित तारीख को एकमुश्त प्रशमन स्कीम के विकल्प के लिए यह प्रार्थना पत्र की मूल प्रति प्राप्त होना स्वीकार करता हूँ:

(1) विवरणी की प्राप्ति की तिथि : _____

(2) प्राप्त करने वाले अधिकारी
 का नाम और पदनाम की

मोहर के साथ हस्ताक्षर _____

4. उक्त नियमों में, विद्यमान "प्ररूप वैट-द12" के बाद, निम्नलिखित प्ररूप रखा जाएगा, अर्थात्:-

प्ररूप वेट – द 13 [देखिए नियम 49 क(7)]				
प्रशमन विकासक द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली विवरणी का प्ररूप				
क्रम संख्या	----- को समाप्त होने वाली तिमाही के लिए विवरणी की मूल/डुपलीकेट प्रति दिन मास वर्ष			
1	व्यवहारी का नाम			
	पी0ए0एन0			
	मोबाईल/दूरभाष संख्या			
	ई0मेल आईडी			
	एस0सी0ओ0/बुथ/दुकान/भवन / पलैट/मंजिल संख्या			
	भवन का नाम/मौहल्ला/ कालोनी/मार्किट स्थान/ गली/लेन			
	सेक्टर/इलाका			
	शहर/नगर/गांव			
	डाकखाना			
	जिला			
	पिन कोड			
	राज्य			
2	टिन			
	टिन के दायित्व की तिथि			
	टिन की वैधता की तिथि			
3	एक मुश्त कर की संगणना			
क्रम संख्या	(क) विवरण	(ख) राशि	(ग) एक मुश्त कर की दर [नियम 49क(1) के अनुसार]	(घ) एक मुश्त कर की राशि
(i)	विवरणी अवधि के दौरान पलैटों, रिहायशी इकाइयों इत्यादि के विक्रय तथा हस्तान्तरण हेतु भूमि के मूल्यों सहित प्राप्त/प्राप्त करने योग्य राशि *			
4	राज्य के भीतर या राज्य के बाहर पंजीकृत व्यवहारियों से भिन्न व्यवहारियों द्वारा क्रय/प्राप्त किए गए माल पर कर जिस पर राज्य को कर अदा नहीं किया गया। (देखिए नियम 49क(2)(i))			
क्रम संख्या	(क) विवरण	(ख) राशि	(ग) कर की दर [नियम 49क(2)(i)]	(घ) कर की राशि
(i)	विवरणी अवधि के दौरान राज्य के भीतर बिना कर/भुगतान किये पंजीकृत व्यवहारी से भिन्न व्यवहारी से खरीदा गया कराधेय माल। **		(i)	
	जोड़		(ii)	
			(iii)	
(ii)	विवरणी अवधि के दौरान राज्य के बाहर पंजीकृत से भिन्न व्यवहारी से क्रय/प्राप्त किया गया कराधेय माल। ***		(i)	
	जोड़		(ii)	
			(iii)	
(iii)	कुल जोड़			
5	अन्तर्राज्यीय व्यापार तथा वाणिज्य के दौरान क्रय/प्राप्त किये गये माल पर कर। (देखिए नियम 49क(2)(ii))			

क्रम संख्या	(क) विवरण	(ख) राशि	(ग) हरियाणा मूल्य वर्धित कर अधिनियम के अधीन माल पर कर की दर	(घ) कर की राशि (नियम 49क(2)(i) अनुरूपता)			
(i)	विवरणी अवधि के दौरान राज्य के बाहर से कर योग्य माल क्रय/प्राप्त करना । ****		(i)				
			(ii)				
			(iii)				
	जोड़						
(ii)	विवरणी अवधि के दौरान भारत के राज्य क्षेत्र में आयात के दौरान कर योग्य माल क्रय/प्राप्त करना । *****		(i)				
			(ii)				
			(iii)				
	जोड़						
(iii)	राज्य में आयात के दौरान कर योग्य माल प्राप्त करना । *****		(i)				
			(ii)				
			(iii)				
	जोड़						
(iv)	कुल जोड़						
6	कर का संचय						
क्रम संख्या	(क) विवरण	(ख) राशि					
(i)	क्रम संख्या 3(i) के खाना घ अनुसार एक मुश्त कर						
(ii)	क्रम संख्या 4(iii) के खाना घ अनुसार कर						
(iii)	क्रम संख्या 5(iv) खाना घ के अनुसार कर						
(iv)	कुल कर दायित्व						
(v)	उपरोक्त पर अतिरिक्त अधिभार (राशि पर लागू)						
(vi)	कुल भुगतानयोग्य कर						
7	कुल भुगतानयोग्य राशि						
क्रम संख्या	(क) विवरण	(ख) राशि					
(i)	क्रम संख्या 6(vi) के खाना ख के अनुसार भुगतानयोग्य कर						
(ii)	कम अदा किया गया कर जैसा क्रम संख्या 8(viii), का						
(iii)	अतिरिक्त आगे ले जाया गया, यदि कोई हो						
8	जमा किये कर के ब्यौरे						
क्रम संख्या	खजाने का नाम जहां कर जमा किया गया अथवा बैंक जिस पर डीडी/अदायगी आदेश लिया गया अथवा कार्यालय जहां से आरएओ ने टी डी एस जारी किया	खजाना रसीद (टीआर)/ डीडी / पीओ / आरएओ				कार्यालय प्रयोग के लिए	
		लिखत की किस्म	संख्या	तिथि	राशि	डीसीआर संख्या	तिथि
(i)							
(ii)							
(iii)							
(iv)							
(v)							
(vi)							
(vii)	पिछली विवरणी से आगे लायी गई अतिरिक्त अदायगी						
(viii)	पंक्तियों का जोड़ (i) से (vii)						

9	सरकारी प्राधिकारी के अधीन मुद्रित/निर्धारण प्राधिकारी द्वारा अपेक्षित अधिप्रमाणित प्ररूपों का खाता।				
क्रम संख्या	प्ररूप की किस्म	विवरणी अवधि के शुरू में आरम्भिक स्टॉक	अवधि के दौरान प्राप्त अथवा अधिप्रमाणित खाली प्ररूप	विवरणी अवधि के दौरान प्रयोग में लाए गए प्ररूपों की संख्या	संव्यवहार की कुल राशि जिसके लिए प्ररूपों का प्रयोग किया गया
(1)	सी				
(2)	एफ				
(3)					

*संभावित खरीदारों से प्राप्त/प्राप्त्य भुगतान की सूची प्रस्तुत करें

क्रम संख्या	खरीदार का नाम	करार का विवरण	भुगतानयोग्य कुल राशि	विवरणी अवधि के दौरान प्राप्त/प्राप्त्य राशि	तिथि तक प्राप्त/प्राप्त्य राशि

** क्रम संख्या 4(i) अनुसार प्रस्तुत विवरणी की सूची

*** क्रम संख्या 4(ii) अनुसार प्रस्तुत विवरणी की सूची

राज्य के भीतर या राज्य से बाहर पंजीकृत व्यवहारियों से भिन्न व्यवहारियों से कराधेय माल की क्रय/प्राप्ति की सूची **/**						
क्रम संख्या	विक्रेता का नाम	बीजक/वाऊचर संख्या	दिनांक	वस्तु का नाम	यथालागू कर की दर	माल का मूल्य

**** प्ररूप एल0पी0 3 अनुसार प्रस्तुत सूची

***** प्ररूप एल0पी0 4 अनुसार प्रस्तुत सूची

***** प्ररूप एल0पी0 5 अनुसार प्रस्तुत सूची

मैं, _____ (पूरा नाम दें) पुत्र/पुत्री _____ (पिता का पूरा नाम दें),
पता _____ (घर का पूरा पता दें), मैसर्ज _____ (मालिक/हिस्सेदार
/प्रबन्धक निदेशक/विधिवत अधिकृत हस्ताक्षरी) इसके द्वारा सक्षमता में सत्यानिष्ठा घोषणा करता हूँ कि उसका
कारबार _____ (व्यवहारी का पूर्ण पता) के पते पर है। मैं यह भरी हुई विवरणी तथा
इसके साथ सभी विषय सूची जिसमें सारणियाँ, सूचियाँ, घोषणाएं, प्रमाण-पत्रों तथा अन्य दस्तावेज़ शामिल हैं, सत्य, सही तथा
पूर्ण हैं और उनमें कुछ भी छिपाया नहीं गया है।

हस्ताक्षर

स्थान :

दिनांक :

(व्यवहारी का नाम/प्राधिकृत हस्ताक्षरी का नाम)
व्यवहारी की मोहर भी लगाए

कार्यालय प्रयोग के लिए

- (1) वेट-रजिस्टर/कम्प्यूटर में प्रविष्टि की तिथि :
- (2) प्रविष्टि करने वाले कर्मचारी के हस्ताक्षर :
(नाम और पदनाम की मोहर लगाएं)
- (3) तारीख सहित निर्धारण प्राधिकारी के हस्ताक्षर :
(नाम और पदनाम की मोहर लगाएं)

पावती
अधोहस्ताक्षरी मैसर्ज _____ टिन _____ से नीचे वर्णित तारीख को इस विवरणी की मूल प्रति स्वीकार करता है ।

- (1) विवरणी की प्राप्ति की तारीख :
- (2) प्राप्ति लिपिक के नाम और पदनाम की मोहर के साथ हस्ताक्षर । " ।

रोशन लाल,
अपर मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार,
आबकारी तथा कराधान विभाग ।

HARYANA GOVERNMENT
EXCISE AND TAXATION DEPARTMENT
Notification
The 24th September, 2015

No.23/H.A.6/2003/S.60/2015.— Whereas, the State Government is satisfied that circumstances exist which render it necessary to take immediate action in public interest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 60 read with the proviso to said Sub-section of the Haryana Value Added Tax Act, 2003(6 of 2003), the Governor of Haryana hereby makes the following rules further to amend the Haryana Value Added Tax Rules, 2003 by dispensing with the condition of previous notice, namely:-

1. (1) These rules may be called the Haryana Value Added Tax (Third Amendment) Rules, 2015.
- (2) They shall come into force with effect from April 1st, 2014.
2. In the Haryana Value Added Tax Rules, 2003 (hereinafter called the said rules), for rule 49-A, the following rule shall be substituted, namely :-

“49-A LUMP SUM SCHEME IN RESPECT OF DEVELOPERS

(Section 9).— (1) A developer liable to pay tax under the Act, and duly registered, may pay, as an option, in lieu of tax payable by him under the Act, by way of composition of lump sum tax calculated at the compounded lump sum rate of one percent of entire aggregate amount specified in the agreement or value specified for the purpose of stamp duty, whichever is higher, in respect of the said agreement. The developer opting for this scheme here-in-after shall be referred to as the composition developer.

- (2) The composition developer opting for composition under this scheme shall,-

- (i) purchase goods for use in the execution of the works contract from a registered dealer of the State but shall not be entitled to claim any input tax credit thereon. If the input tax in respect of any goods purchased in the State has been availed of by a developer and such goods are held in stock at the time of option of composition scheme, the input tax in respect of such goods shall be reversed. In case any goods used in the execution of works contract are procured or purchased from dealers other than the registered dealers from within the State or from outside the State on which no tax has been paid to the State, the composition developer shall be liable to pay an amount equal to the amount of tax that would have been payable, had the goods been purchased within the State from a registered dealer.
- (ii) be entitled to purchase or receive goods, from any place outside the State including imports from out of India, against prescribed declaration forms, to be used in the execution of the contract at any time during the period for which the composition remains in force under this Scheme, but he shall pay tax at the rate of 4% on purchase price thereof and on goods purchased and or received from any place outside the State and held in stock at the time of option of the composition scheme, and such tax shall not be adjustable towards his composition tax liability;
- (iii) not be entitled to use declaration Form VAT D-1 for purchasing goods at concessional rate of tax from within the State;
- (iv) be treated as non-vat dealer and shall not be eligible to claim input tax credit under Section 8 of the Act;
- (v) not collect any amount by way of tax under the Act;
- (vi) not issue “Tax Invoices”;
- (vii) retain the originals of all tax invoices and all the retail invoices for all his purchases;
- (viii) not be entitled to any refund.
- (3) The tax period for the composition developer shall be monthly and the payment of lump sum in lieu of tax shall be paid by the composition developer within fifteen days of the close of the month:

Provided that if a composition developer fails to make the payment of tax including tax on purchases in time under this scheme, then he shall be liable to pay interest as per the provisions of Sub-section (6) of Section 14 of the Act.

- (4) Where the composition developer awards any portion of his contract to another contractor or sub-contractor, such composition developer shall not be eligible for any deduction on account of any tax paid by the contractor or the sub contractor under the Act.
- (5) A developer may opt for payment of tax in lump sum with effect from the 1st April, 2014 in accordance with the provisions of this Scheme, by submitting an application in Form VAT-CD1 to the appropriate assessing authority, within sixty days of the issue of the notification. However, a developer getting registration certificate after the issue of the notification, may opt for the scheme within thirty days of the issue of registration certificate under the Act. A registered developer can also exercise such option from the beginning of a financial year by submitting the application to the appropriate assessing authority within thirty days of the commencement of the financial year concerned.
- (6) A composition developer who has opted for lump sum payment of tax under the lump sum scheme notified on the 12th August, 2014, shall be deemed to have opted for lump sum payment of tax under this scheme. In case the tax deposited under the scheme notified on the 12th August, 2014 is more than the tax liability calculated under this Scheme, the excess tax shall be adjusted against the future tax liability but no adjustment on account of such excess tax shall be allowed if the composition developer opts out of the Scheme.
- (7) A composition developer shall furnish a quarterly return in Form VAT R-13 to the appropriate assessing authority and also submit proof of payment of tax alongwith the return.
- (8) The Excise and Taxation Commissioner shall be competent to issue guidelines, specifying the procedure and the forms etc. for the purpose of availing, compliance and monitoring of this Scheme.
- (9) For the removal of doubts, it is hereby made clear that nothing contained here-in-above shall be construed as conferring any benefit, concession or immunity on the composition developer other than the benefit, concession or immunity granted under the scheme.”.

3. In the said rules, after the existing “Form VAT C-5”, the following Form shall be inserted, namely:-

“FORM VAT-CD1

(See rule 49A (5))

**Application for opting Lump Sum Composition Scheme in
respect of Developers under rule 49A of the
Haryana Value Added Tax Rules, 2003.**

To

The Assessing Authority,

Ward/Circle No.

Date: _____

Serial Number	Original/Duplicate copy of application.	
1	Name of the Dealer	
	PAN	
	Mobile/Telephone No.	
	E-mail id	
	SCO/Booth/ Shop/ Building/ Flat/ Floor No.	
	Building Name/Mohalla/ Colony/ Market Place/ Street/ Lane	
	Sector/Area	
	City/Town/Village	
	Post Office	
	District	

2	Pin code	
	State	
	TIN	
	Date of Liability of TIN	
	Date of Validity of TIN	

3					
A.	Details of goods purchased from within the State of Haryana on which Input Tax Credit is claimed and lying in the opening stock. See Rule 49 A(2) (i)				
Serial Number	Goods liable to VAT at different rates i.e. @ (%)	Purchase Value of goods on which VAT has been paid	Input Tax claimed (in Rs.)	Additional Tax claimed, if any.	Total Input Tax Claimed
1	2	3	4	5	6
1	@ 5% (declared goods)				
2	@ 5% (other than declared goods)				
3	@ 12.5% (non scheduled goods)				
4	@				
5					
	Total				

B. Goods purchased/received from outside the State of Haryana and lying in the opening stock. See Rule 49 A(2) (ii)

Serial Number	Goods liable to VAT at different rates i.e. @ (%)	Purchase/Receipt Turnover	VAT Payable @ 4% (in Rs.)	Additional Tax Payable	Total
1	2	3	4	5	6
1	@ 5% (declared goods)				
2	@ 5% (other than declared goods)				
3	@ 12.5% (non scheduled goods)				
4	@				
5					
	Total				

4	Details of Tax deposited as per Column 6 of Sr. No. 3(B)						
Serial Number	Name of treasury where tax deposited or Bank on which DD/Pay order drawn or office from where RAO issued TDS	Treasury receipt (TR)/DD/PP/RAO				For office use	
		Type of Instrument	No.	Date	Amount	DCR No.	Date
(i)							
(ii)							
(iii)							

Verification:

I, _____ (give full name) son/daughter of _____
 (give name of the father), resident of _____ (give complete residential address), hereby
 declare in the capacity of _____ (proprietor/partner/managing director/duly authorized signatory)
 of M/s _____ (give full name of the business entity/dealer), having its business address at

_____ (give complete address of the dealer). I do hereby submit application to opt for the Lump Sum Composition Scheme in respect of developers under Rule 49A of the HVAT Rule, 2013.

Signature

Place:

Date:

(Name of the dealer/authorised signatory)

Also affix Seal and Stamp of the dealer

ACKNOWLEDGEMENT

The undersigned acknowledge having received the original of this application for opting lump sum composition scheme from M/s._____ having TIN: _____ on the date mentioned below:

(1) Date of receipt of return: _____

(2) Signature with stamp of name and designation of _____

Receiving Officer:

”

4. In the said rules, after the existing “Form VAT R-12”, the following Form shall be inserted, namely:-

“Form VAT – R13 [See Rule 49A(7)]												
Form of Return to be furnished by a composition developer												
Serial Number	Original/Duplicate copy of return for the quarter ended on: _____ D D M M Y Y <table border="1" style="display: inline-table; vertical-align: middle;"><tr><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td></tr></table>											
1	Name of the Dealer											
	PAN											
	Mobile/Telephone No.											
	E-mail id											
	SCO/Booth/ Shop/ Building/ Flat/ Floor No.											
	Building Name /Mohalla/Colony/ Market Place/Street/ Lane											
	Sector/Area											
	City/Town/Village											
	Post Office											
	District											
	Pin code											
	State											
2	TIN											
	Date of Liability of TIN											
	Date of Validity of TIN											
3	Computation of Lump sum Tax											
Serial Number	(a) Description	(b) Amount	(c) Rate of Lumpsum Tax [as per Rule 49A(1)]	(d) Amount of Lumpsum Tax								

(i)	Gross amount received/receivable including values of land for sale and transfer of flats, dwelling units etc. during the return period *			
4	Tax on the goods purchased/received from dealers other than the registered dealers from within the State or outside the State on which no tax has been paid to the State. [See Rule 49A(2)(i)]			
Serial Number	(a) Description	(b) Amount	(c) Rate of Tax[as per Rule 49A(2)(i)]	(d) Tax Amount
(i)	Taxable goods purchased from dealers other than the registered dealers from within State without payment of tax during the return period. **		(i)	
			(ii)	
			(iii)	
	Total			
(ii)	Taxable goods purchased/received from dealers other than the registered dealers from outside the State during the return period. ***		(i)	
			(ii)	
			(iii)	
	Total			
(iii)	G. Total			

5	Tax on the goods purchased/received in course of interstate Trade and Commerce. See Rule 49A(2)(ii).			
Serial Number	(a) Description	(b) Amount	(c) Rate of Tax on the goods under HVAT Act	(d) Tax Amount (As per Rule 49A(2)(i))
(i)	Taxable goods purchased/received from out of State during the return period. ****		(i)	
			(ii)	
			(iii)	
	Total			
(ii)	Taxable goods purchased/received in the course of import into the territory of India during the return period. *****		(i)	
			(ii)	
			(iii)	
	Total			
(iii)	Taxable goods received in the course of import into State. *****		(i)	
			(ii)	
			(iii)	
	Total			
(iv)	G.Total			

6	Aggregate of Tax	
Serial Number	(a) Description	(b) Amount
(i)	Lumpsum Tax as per column (d) of serial No.3 (i)	
(ii)	Tax as per column (d) of serial No.4 (iii)	
(iii)	Tax as per column (d) of serial No.5 (iv)	
(iv)	Total Tax liability	
(v)	Add surcharge on above (on applicable amount)	
(vi)	Total Tax Payable	

7	Tax Payable Amount						
Serial Number	(a) Description					(b) Amount	
(i)	Tax payable as per column (b) of serial No.6 (vi)						
(ii)	Less Tax paid as per serial No.[8(viii)]						
(iii)	Excess carried forward if any.						
8	Details of Tax deposited						
Serial Number	Name of treasury where tax deposited or Bank on which DD/Pay order drawn or office from where RAO issued TDS	Treasury receipt (TR)/DD/PP/RAO				For office use	
		Type of Instrument	No.	Date	Amount	DCR No.	Date
(i)							
(ii)							
(iii)							
(iv)							
(v)							
(vi)							
(vii)	Excess paid brought forward from last return						
(viii)	Total of rows [(i) to (vii)]						

9	Account of forms printed under the Government authority/required to be authenticated by the assessing authority.				
Serial Number	Type of Form	Opening stock at the beginning of the return period	Forms received or authenticated during the period	Number of forms used during the return period	Aggregate of amount of transactions for which forms used
(1)	C				
(2)	F				
(3)					

* Submit list of payments received/receivable from prospective buyers

Serial Number	Name of the Buyer	Details of Agreement	Total Amount Payable	Amount received/receivable during the Return Period	Amount received/receivable upto date

** Submit list in format given here as per Sr. No. 4(i)

*** Submit list in format given here as per Sr. No. 4(ii)

List of purchases/receipts of taxable goods from dealers other than the registered dealers from within the State or outside the State **/**						
Serial Number	Name of the seller	Invoice/Voucher No.	Date	Name of the commodity	Rate of tax as applicable in the State	Value of goods

**** Submit list as in Form LP 3

***** Submit list as in Form LP 4

***** Submit list as in Form LP 5

I, _____ (give full name) son/daughter of _____ (give name of the father), resident of _____ (give complete residential address), hereby declare in the capacity of _____ (proprietor/partner/ managing director/duly authorized signatory) of M/s _____ (give full name of the business entity/dealer), having its business address at _____ (give complete address of the dealer) that I am authorized to furnish this return and all its contents including tables, lists, declarations, certificates and other documents appended to it are true, and complete and nothing has been concealed therein.

Signature

Place:

Date:

(Name of the dealer/authorised signatory)

Also affix Seal and Stamp of the dealer

FOR OFFICE USE ONLY

- (1) Date of entry in VAT-register/Computer:
- (2) Signature of the official making the date entry:
(Affix stamp of name & designation)
- (3) Signature of the assessing authority with date: (Affix stamp of name & designation)

ACKNOWLEDGEMENT

The undersigned acknowledge having received the original of this return from M/s. _____ having TIN: _____ on the date mentioned below:

- (1) Date of receipt of return: _____
- (2) Signature with stamp of name and designation of _____ Receipt Clerk

ROSHAN LAL,
Additional Chief Secretary to Government Haryana,
Excise and Taxation Department.